जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

(शिक्षाशास्त्र संकाय)

चार वर्षीय शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम

Four Year Shastri-Shiksha Shastri (Integrated) Course

सत्र 2023-27

शिक्षा विभाग

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

ग्राम-मदाऊ, पोस्ट-भांकरोटा, जयपुर-302026

चार वर्षीय शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम

सत्र 2023-27

उद्देश्य-

1. आधुनिक भारतीय भाषाओं एवं तथ्य सम्बन्धित साहित्यों को सुदृढ़ रूप से परिचय करना ।
2. संस्कृत वाङ्मय का गम्भीर अध्ययन हेतु अवसर प्रदान करना।
3. प्राचीन शास्त्रों में उत्तम पाण्डित्य अर्जित करने हेतु आवश्यक अध्ययन व्यवस्थाओं को उपलब्ध कराना।
4. संगणक एवं संचार माध्यमों का ज्ञान प्रदान करना।
5. आधुनिक विषयों को अवगत कराने हेतु आधुनिक भाषाएं एवं आधुनिक विषयों का सुदृढ़ ज्ञान को सम्पादित करना।
6. प्राचीन एवं आधुनिक शिक्षण विधियों का ज्ञान प्रदान करना।
7. प्राचीन तथा आधुनिक शिक्षण विधियों के बीच विद्यमान अंतर को समझ कर समयानुकूल उन विधियों को प्रयोग करने में सक्षम बनाना।
8. शिक्षण में संगणक आदि साधन एवं सामाजिक माध्यमों का उपयोग करने में प्रशिक्षण प्रदान करना।
9. भारतीय संविधान में उल्लेखित राष्ट्रीय मूल्यों एवं लक्ष्यों को पैदा करने के लिए अपेक्षित क्षमताओं को बढ़ावा देना।
10. आधुनिकीकरण तथा सामाजिक परिवर्तन के एजेन्ट के रूप में कार्य निर्वहन करने की क्षमता प्रदान करना।
11. मानवाधिकार और बालाधिकार की सामाजिक एकता, अन्तर्राष्ट्रीय समझ और सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहवर्धन करना।
12. शिक्षक को आवश्यक दक्षता और कुशलता प्राप्त करना।
13. दक्षता और कौशल की आवश्यकता का उपयोग करने हेतु एक प्रभावी अध्यापक को बनाना।
14. सक्षम और समर्पित शिक्षकों का निर्माण करना।
15. पर्यावरण एवं जनसंख्या आदि रूप में उभरते हुए मुद्दों के बारे में संवेदनशीलता को उत्पादन करने लिए अपेक्षित समाधान हेतु ज्ञान प्रदान करना।
16. जैण्डर समानता, कानूनी साक्षरता आदि में तर्कसंगत सोच और वैज्ञानिक सोच को विकसित करना।
17. छात्रों के बीच सामाजिक वास्तविकताओं के बारे में विमर्शनात्मक जागरुकता विकसित करना।
18. प्रबन्धकीय और संगठन कौशल का उपयोग करने का अवसर प्रदान करना।

शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम 4 साल का होगा, जिसमें-

(i) शास्त्री-शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष
(ii) शास्त्री-शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष
(iii) शास्त्री-शिक्षाशास्त्री तृतीय वर्ष
(iv) शास्त्री-शिक्षाशास्त्री अंतिम वर्ष

पाठ्यक्रम का स्वरूप-

प्रवेश हेतु पात्रता एवं मानदण्ड-

- शास्त्री-शिक्षाशास्त्री एकीकृत पाठ्यक्रम में जो अभ्यर्थी प्रवेश लेना चाहते हैं या प्रवेश पाने के लिए वरिष्ठ उपाध्याय/सीनियर सैकेण्डरी+2 (संस्कृत विषय सहित) एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष कक्षा में (संस्कृत विषय सहित) 50 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

पाठ्यक्रम में स्थान-

- शास्त्री शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) चार साल पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, भारत गैजेट- पाठ-3 सेक्शन 4 के अनुसार पृ. सं. 164 अपेण्डिक्स 30 बिन्दू संख्या 3/1 के अनुसार 50 सीटें निर्धारित है।

शिक्षण माध्यम-

- शास्त्री-शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में भाषाओं के शिक्षण का माध्यम सम्बन्धित भाषा होगी। जैसे- हिन्दी विषय का माध्यम हिन्दी है। अंग्रेजी विषय का माध्यम अंग्रेजी है। संस्कृत विषय का माध्यम संस्कृत है। शास्त्री से संबंधित विषयों का माध्यम संस्कृत होगा एवं शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषयों का माध्यम हिन्दी होगा। केवल संस्कृत शिक्षण विषय पत्र का माध्यम संस्कृत होगा।

परीक्षा नियम-

शास्त्री परीक्षा सम्बन्धी सामान्य नियम

नियम संख्या-1

1. शास्त्री प्रथम वर्ष उत्तीर्ण छात्र शास्त्री द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु मान्य होगा।
2. प्रत्येक लिखित प्रश्न पत्र तीन घण्टे का होगा प्रायोगिक परीक्षा जहाँ उपादेय है, विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त परीक्षक द्वारा ली जायेगी।
3. प्रश्न पत्रों के उत्तर का माध्यम निम्न प्रकार होगा-

   अ. अनिवार्य विषय कम्प्यूटर एप्लीकेशन का माध्यम अंग्रेजी/हिंदी होगा।

   ब. वर्ग प्रथम तथा द्वितीय मुख्य वैकल्पिक विषय का माध्यम संस्कृत होगा।

   स. वर्ग तृतीय विषय के लिए संस्कृत/हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम होगा।

नियम संख्या-2

परीक्षा के विषय निम्नलिखित होंगे-

अनिवार्य विषय

1. कम्प्यूटर एप्लीकेशन एलीमेन्ट्री

   वर्ग (प्रथम) संस्कृत वाङ्मय

   संस्कृत वाङ्मय तीनों वर्षों की परीक्षाओं में अनिवार्य रूप से लेना आवश्यक होगा।

नियम संख्या-3

1. जो अभ्यर्थी किसी एक अथवा अधिक अनिवार्य विषयों अथवा किसी एक वैकल्पिक विषय (सैद्धान्तिक या प्रयोगिक) में अनुत्तीर्ण रहा है वह शास्त्री भाग द्वितीय के साथ इन अनुत्तीर्ण विषयों को उत्तीर्ण करने के योग्य होगा।
2. प्रश्न पत्रों की संख्या एवं प्रत्येक प्रश्न पत्र में अधिकतम एवं न्यूनतम अंक हर विषय के आगे पृथक रूप में दिए गए हैं, अभ्यर्थियों के लिए सैद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षाओं में प्रत्येक अलग से उत्तीर्ण करना होगा।

नियम संख्या-4

1. यह अभ्यर्थी, जिसने विश्वविद्यालय की शास्त्री (स्नातक) परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो और यदि वह एक अथवा अधिकतम दो वैकल्पिक विषयों में और बैठना चाहता हो तो उसे शास्त्री (स्नातक) परीक्षा में बैठने के लिए आगामी वर्षों में योग्य माना जायेगा। यदि वह विश्वविद्यालय की किसी अन्य परीक्षा में नहीं बैठ रहा हो, ऐसे अभ्यर्थियों को तीन वर्षों के सभी प्रश्न पत्रों में एक साथ बैठने दिया जायेगा और उत्तीर्ण होने पर उसे उसका प्रमाण पत्र दिया जायेगा।

नियम संख्या-5

शास्त्री प्रथम एवं द्वितीय में कोई श्रेणी नहीं दी जावेगी।

प्रश्न पत्र निर्माण हेतु अंक विभाजन

शास्त्री स्तर पर-

	विद्या	प्रश्न	अंक	कुल अंक	प्रश्नों को विकल्प संख्या
क.	अतिलघूत्तरात्मकः	10	02	20	10
ख.	लघूत्तरात्मक	04	05	20	06
ग.	निबन्धात्मक	04	10	40	06
घ	निबन्धात्मक	01	20	20	03
	कुल योग	**19**		**100**	**30**

धातव्यः-

क. उक्त स्तर पर क, ख, ग विद्या से प्रश्न निर्धारित समस्त पुस्तकों से आनुपातिक अंकों में पूछा जावें।

ख. जहाँ तक सम्भव हो, अधिकतम अंक के लिए निर्धारित पुस्तक से (घ) निबन्धात्मक प्रश्न पूछा जावें। यदि समानांक प्रश्न पूछा जायें।

वर्षवार शास्त्री-शिक्षाशास्त्री परीक्षा में बैठने हेतु पात्रता एवं मानदण्ड-

❖ शास्त्री शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष की परीक्षा में अभ्यर्थी बैठने हेतु अभ्यर्थी को सम्बन्धित कॉलेज के प्राचार्य से संतुष्टि प्रमाण पत्र परीक्षा आवेदन पत्र के साथ में प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है। प्राचार्य द्वारा संतुष्टि प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु छात्र को निम्न प्रकार के 3 बिन्दूओं को पूरा करना आवश्यक है।

1. प्रत्येक सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र में 40 प्रतिशत अंक लाना द्वितीय वर्ष में प्रवेश लेने हेतु योग्यता है।
2. अभ्यर्थी द्वारा शास्त्री शिक्षाशास्त्री के प्रथम वर्ष की परीक्षा के कुल सैद्धान्तिक प्रश्न पत्रों में 1/2 अर्थात 50 प्रतिशत प्रश्न पत्रों का उत्तीर्ण होना अनिवार्य है अन्यथा द्वितीय वर्ष में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
3. अभ्यर्थी की उपस्थिति कक्षा में 75 प्रतिशत एवं व्यावहारिक विद्यालय गतिविधियों में 80 प्रतिशत होना अनिवार्य है।

शास्त्री-शिक्षा शास्त्री चार साल (एकीकृत) पाठ्यक्रम का सैद्धान्तिक प्रश्न पत्रों का निर्माण

इन प्रश्न पत्रों का कुल अंक 100 है। जिसमें से बाह्य परीक्षा हेतु 80 अंक एवं आंतरिक मूल्यांकन हेतु 20 अंक निर्धारित है।

लिखित परीक्षा हेतु प्रश्नों का स्वरूप

समय :3 घण्टे **पूर्णांक 80**

प्रश्न का स्वरूप	प्रश्न प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रश्न अंक	कुल अंक
अनिवार्य 1	अतिलघूतरात्मक (कम से कम 15 शब्दों में)	प्रत्येक इकाई का एक प्रश्न	5 प्रश्न 5X2 अंक	10 अंक
अनिवार्य 2	लघूत्तरात्मक	प्रत्येक इकाई का एक प्रश्न	5 प्रश्न 5X4 अंक	20 अंक
आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक	प्रत्येक इकाई के 2 प्रश्न	5 प्रश्न 5X10 अंक	50 अंक
			पूर्णांक	**80**

जिस प्रश्न पत्र के पूर्णांक बाह्यपरीक्षा हेतु 40 होंगे, इसका प्रश्नपत्र का स्वरूप-

समय: 2 घण्टे **पूर्णांक 40**

प्रश्न का स्वरूप	प्रश्न प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रश्न अंक	कुल अंक
अनिवार्य 1	अतिलघूतरात्मक (कम से कम 15 शब्दों में)	प्रत्येक इकाई का एक प्रश्न	5 प्रश्न 5X2 अंक	10 अंक
अनिवार्य 2	लघूत्तरात्मक	प्रत्येक इकाई का एक प्रश्न	5 प्रश्न 3X3 अंक	9 अंक
आन्तरिक विकल्प	निबन्धात्मक	प्रत्येक इकाई के तीन प्रश्न	5 प्रश्न 3X7 अंक	21 अंक
			पूर्णांक	**40**

चार वर्षीय शास्त्री शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम के व्यावसायिक भाग में विद्यालय संबद्धता सम्बन्धित कार्य एवं व्यावसायिक अभिक्षमता का विकास कार्य का क्रियान्वयन निम्नानुसार होगा-

- इस पाठ्यक्रम के तृतीय वर्ष में शिक्षण अभ्यास 1 (संस्कृत शिक्षण विषय), विद्यालय गतिविधियाँ एवं ई.पी.सी. 1, 2 से सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में शिक्षण अभ्यास 2 (दूसरा शिक्षण विषय), विद्यालय गतिविधियों एवं ई.पी.सी. 3, 4 से संबंधित गतिविधियों का आयोजन होगा

विद्यालय सम्बद्धता से सम्बन्धित गतिविधियाँ-

❖ पाठयक्रम के अनुसार शास्त्री शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठयक्रम में प्रथम वर्ष में कोई शिक्षण अभ्यास व्यावसायिक गतिविधियाँ और विद्यालय गतिविधियाँ नहीं रखी गई है। इन गतिविधियों का आयोजन एवं निर्वहन समय-समय पर राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा निर्देशित व निर्धारित मानदण्डों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

शास्त्री शिक्षाशास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण हेतु पात्रता एवं श्रेणी निर्धारण-

1. शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) परीक्षा के सम्बन्धित आन्तरिक एवं बाह्य मूल्यांकन में अभ्यर्थी द्वारा प्राप्तांकों की प्रतिशतता के अनुसार श्रेणी निर्धारण किया जायेगा।

क्र.सं.	बाह्य मूल्यांकन में अंकों की प्रतिशतता	श्रेणी निर्धारण
1.	कुल अंक 90 से 100 तक	श्रेणी A++
2.	कुल अंक 80 से 89 तक	श्रेणी A+
3.	कुल अंक 70 से 79 तक	श्रेणी A
4.	कुल अंक 60 प्रतिशत से 69 तक	श्रेणी B+
5.	कुल अंक 50 प्रतिशत से 59 तक	श्रेणी B
6.	कुल अंक 49 प्रतिशत से 40 तक	श्रेणी C+
7.	कुल अंक 40 प्रतिशत से कम होने पर	श्रेणी E

मूल्यांकन प्रक्रिया-

शास्त्री शिक्षाशास्त्री एकीकृत पाठ्यक्रम के अभ्यर्थियों का मूल्यांकन दो प्रकार से किया जाएगा-

अ. बाह्य मूल्यांकन- विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष के अन्त में वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी।

ब. आन्तरिक मूल्यांकन- प्रविष्ट महाविद्यालय द्वारा आन्तरिक मूल्यांकन वर्षवार किया जाएगा तथा विश्वविद्यालय में अंकों की सूची प्रस्तुत की जायेगी।

स. विश्वविद्यालय द्वारा चारों वर्ष पूर्ण होने पर अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर श्रेणी दी जाएगी।

द. अभ्यर्थी द्वारा चार साल में प्राप्त श्रेणी को अन्तिम वर्ष की अंकतालिका में निम्न सूची के अनुसार अंकित किया जाएगा।

वर्षवार शास्त्री-शिक्षाशास्त्री सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र, व्यावसायिक, विद्यालय गतिविधि/ईपीसी का आवंटन का विवरण-

- शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम में शास्त्री के सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र कुल 22 होंगे। इसमें से 4 प्रश्न पत्रों का प्राप्तांक मूल परिणाम में नहीं जोड़ा जाएगा। अतः 18 प्रश्न पत्र अर्थात 1800 अंक पूर्णांक होंगे।
- शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम में शिक्षाशास्त्री के सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र कुल 12 होंगे। इन 12 प्रश्न पत्रों के 1000 अंक पूर्णांक होंगे।
- शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम में शिक्षाशास्त्री के व्यावसायिक भाग में शिक्षण अभ्यास के 2 भाग होंगे जिसके पूर्णांक 500 होंगे।
- शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम में शिक्षाशास्त्री के विद्यालय गतिविधियाँ के 2 भाग होंगे जिसके पूर्णांक 100 होंगे।
- शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम में शिक्षाशास्त्री के ई.पी.सी. के 2 भाग होंगे जिसके पूर्णांक 200 होंगे।
- शास्त्री में 4 वर्षों में कुल अंक 1800
- शिक्षाशास्त्री में 4 वर्षो में सैद्धान्तिक भाग के कुल अंक 1000
- शिक्षाशास्त्री में 4 वर्षों में प्रायोगिक के कुल अंक 800
- अतः शिक्षाशास्त्री के 4 वर्षों में कुल अंक 1800

इस प्रकार शास्त्री-शिक्षाशास्त्री चार साल के एकीकृत पाठ्यक्रम में कुल अंक 3600 के होंगे। अतः प्रत्येक वर्ष में 900 अंक होंगे।

शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

- कोर्स में * द्वारा प्रदर्शित 1, 2, 3 प्रश्न पत्रों में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। किन्तु इन पत्रों में जो अंक प्राप्त किया जायेगा, उसका समावेश परीक्षा परिणाम में नहीं किया जायेगा।
- शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष में कुल सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 9 होंगे एवं कुल अंक 900 होंगे और शास्त्री पाठ्यक्रम के सम्बन्धित 06 सेद्धान्तिक प्रश्न पत्र होंगे एवं शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम का सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होगा। अतः प्रथम वर्ष में सैद्धांतिक भाग के कुल 900 होंगे।

द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम

- ❖ कोर्स में प्रदर्शित चौथा प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। किन्तु इस पत्र में जो अंक प्राप्त किये हैं, उसका समावेश परीक्षा परिणाम में नहीं किया जायेगा।
- ❖ शास्त्री-शिक्षाशात्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष में कुल सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 4 होंगे एवं कुल अंक 400 होंगे और शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम में सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र 7 होंगे जिनका अंक 500 है। इस प्रकार द्वितीय वर्ष के 900 होंगे।

तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम

- ❖ शास्त्री शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम के तृतीय वर्ष में कुल सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 5 होंगे एवं कुल अंक 500 होंगे और शास्त्री पाठ्यक्रम के सम्बन्धित 4 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होंगे एवं शिक्षा शास्त्री पाठ्यक्रम का सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होगा। अतः तृतीय वर्ष में सैद्धान्तिक भाग के कुल अंक 500 होंगे तथा विद्यालय गतिविधिययाँ 50 अंक के, शिक्षण अभ्यास-1 का 250 अंक तथा ई.पी.सी. 1, 2 को मिलाकर 100 अंक होंगे। इस प्रकार तृतीय वर्ष के अंक 900 होंगे।

अन्तिम वर्ष का पाठ्यक्रम

- ❖ शास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम के अन्तिम वर्ष में कुल सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र 5 होंगे एवं कुल अंक 500 होंगे और शास्त्री पाठ्यक्रम से सम्बन्धित 4 सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होंगे एवं शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम का 1 सैद्धान्तिक होगा। अतः अंतिम वर्ष में सैद्धान्तिक भाग के कुल अंक 500 होंगे तथा विद्यालय गतिविधियाँ 50 अंक के, शिक्षण अभ्यास-2 का 250 अंक तथा ई.पी.सी. 3, 4 को मिलाकर 100 अंक होंगे। इस प्रकार तृतीय वर्ष के अंक 900 होंगे।

चार वर्षीय शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) पाठ्यक्रम के कुल अंक 3600 है। इसके अनुसार प्रत्येक वर्ष में कुल अंक 900 होंगे। इसका विवरण निम्नानुसार है-

प्रथम वर्ष	**900 अंक**
1. शास्त्री सैद्धान्तिक अनिवार्य प्रश्न पत्र	
1. सामान्य हिन्दी	100 अंक
2. सामान्य अंग्रेजी	100 अंक
3. पर्यावरण अध्ययन	100 अंक
II. शास्त्री वैकल्पिक प्रश्न पत्र	
संस्कृत वाङ्मय प्रथम	100 अंक
संस्कृत वाङ्मय द्वितीय	100 अंक
कुल	**200 अंक**
III. शास्त्री चयनित शास्त्र विषय	
प्रथम पत्र	100 अंक
द्वितीय पत्र	100 अंक
कुल	**200 अंक**
IV. शास्त्री चयनित आधुनिक विषय	
प्रथम पत्र	100 अंक
द्वितीय पत्र	100 अंक
कुल	**200 अंक**
V. शिक्षा शास्त्री सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र	
101 बाल्यावस्था एवं विकास प्रक्रिया	100 अंक
102 समसामयिक भारत एवं शिक्षा	100 अंक
103 अधिगम एवं शिक्षण प्रक्रिया	100 अंक
कुल	**300 अंक**

द्वितीय वर्ष — 900 अंक

I. प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग — 100 अंक

II. शास्त्री वैकल्पिक प्रश्न पत्र

1. संस्कृत वाङ्मय प्रथम	100 अंक
2. संस्कृत वाङ्मय द्वितीय	100 अंक
कुल	**200 अंक**

III. चयनित आधुनिक विषय

प्रथम पत्र	100 अंक
द्वितीय पत्र	100 अंक
कुल	**200 अंक**

IV. शिक्षाशास्त्री सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र

104 भाषा एवं पाठ्यक्रम	50 अंक
105 अध्ययन क्षेत्र एवं विषय अवबोध	50 अंक
106 जेण्डर विद्यालय एवं समाज	50 अंक
108 ज्ञान एवं पाठ्यक्रम	100 अंक
109 अधिगम आकलन	100 अंक
110 समावेशी शिक्षा	50 अंक
111 विशिष्ट ऐच्छिक विषय	100 अंक
कुल	**500 अंक**

तृतीय वर्ष — 900 अंक

I. शास्त्री वैकल्पिक प्रश्न पत्र

1. संस्कृत साहित्य प्रथम	100 अंक
2. संस्कृत साहित्य द्वितीय	100 अंक
कुल	**200 अंक**

II. शास्त्री चयनित शास्त्र विषय

प्रथम पत्र	100 अंक
द्वितीय पत्र	100 अंक
कुल	**200 अंक**

III. शिक्षा शास्त्री सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र

113 संस्कृत शिक्षण अनिवार्य	100 अंक

IV. स्कूल सम्बद्धता

विद्यालय गतिविधि	50 अंक
ई.पी.सी. 1.2.	100 अंक
अभ्यास शिक्षण	250 अंक
कुल	**400 अंक**

अंतिम वर्ष — 900 अंक

I. शास्त्री चयनित शास्त्र विषय

प्रथम पत्र	100 अंक
द्वितीय पत्र	100 अंक
कुल	**200 अंक**

II. चयनित शास्त्र विषय

प्रथम पत्र	100 अंक
द्वितीय पत्र	100 अंक
कुल	**200 अंक**

III. शिक्षा शास्त्री सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र

107	विद्यालय विषय शिक्षण	100 अंक
	विद्यालय गतिविधि	50 अंक
	ई.पी.सी. 3,4	100 अंक
	अभ्यास शिक्षण	250 अंक
	कुल	**500 अंक**

शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (एकीकृत) चार साल पाठ्यक्रम में शास्त्री पाठ्यक्रम में तीन भाग होंगे। इन तीनों भागों में विषय निर्धारण निम्नानुसार किया गया है-

अनिवार्य प्रश्न पत्र-

- ❖ सामान्य हिन्दी
- ❖ सामान्य अंग्रेजी
- ❖ पर्यावरण अध्ययन
- ❖ एलीमेन्ट्री कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स

उपर्युक्त अनिवार्य प्रश्न पत्रों में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है किन्तु इन पत्रों में अभ्यर्थी द्वारा प्राप्तांकों को परिणाम निर्धारण हेतु नहीं जोड़ा जायेगा।

भाग-1

संस्कृत वाङ्मय

इस प्रश्न पत्र को प्रत्येक छात्र को तीन वर्ष तक 2-2 पत्र कुल 6 पत्र अनिवार्य रूप से पढ़ना है।

भाग-2 वैकल्पिक मुख्य विषय

छात्र यदि प्रथम वर्ष में इसमें से 1 विषय को चुनेगा तो उसी विषय को तीन वर्ष तक पढ़ना अनिवार्य है तथा प्रत्येक वर्ष में इस विषय से सम्बन्धित 2-2 प्रश्न पत्र होंगे। कुल तीन साल में 6 प्रश्न पत्र होंगे। एक बार चयनित विषय को किसी भी परिस्थिति में परिवर्तन नहीं होगा।

वेदवेदाङ्ग संकायः-

1. ऋग्वेदः
2. यजुर्वेद (माध्यन्दिनशाखीयः
3. शुक्ल-यजुर्वेदः (काण्वशाखीयः)
4. कृष्णयजुर्वेदः (तैत्तिरीयशाखीय)
5. सामवेदः (कौथुमशाखीयः)
6. सामवेदः (जैमिनीयशाखीयः)
7. अथर्ववेदः
8. पौरोहित्यम्
9. वेदनैरुक्तप्रक्रिया
10. वेदविज्ञानम्
11. गणितज्योतिषम्

12. सिद्धान्तज्योतिषम्
13. फलितज्योतिषम्
14. सामुद्रिकज्योतिषम
15. वास्तुविज्ञानम्
16. धर्मशास्त्रम्
17. नव्यव्याकरण
18. प्राच्यव्याकरण

साहित्य-संस्कृतिसंकाय

19. साहित्यम्
20. पुराणेतिहासः
21. प्राचीनराजनीतिशास्त्यम्

दर्शनसंकायः-

22. सामान्यदर्शनम्
23. अद्वैतवेदान्तदर्शनम्
24. सीमांसादर्शनम्
25. न्यायदर्शनम्
26. निम्बार्कदर्शनम्
27. वल्लभदर्शनम्
28. योगदर्शनम्
29. रामानुजदर्शनम्
30. रामानन्ददर्शनम्
31. सर्वदर्शनम्

श्रमणविद्यासंकाय

32. जैनदर्शनम्
33. बौद्धदर्शनम्
34. प्राकृत जैनागम

भाग-3 वैकल्पिक विषय

- इन विषयों में से विषय को अभ्यर्थी प्रथम वर्ष में चुनेगा। इस चयनित विषय के प्रत्येक वर्ष 2-2 प्रश्न पत्र होंगे। अतः 3 वर्षों में उसी विषय से सम्बन्धित कुल 6 प्रश्नपत्रों को पढ़ना होगा एक बार चयनित विषय का परिवर्तन संभव नहीं होगा।

1. अंग्रेजी साहित्य

2. हिन्दी साहित्य
3. इतिहास
4. लोकप्रशासन
5. समाजशास्त्र
6. अर्थशास्त्र
7. राजनीति विज्ञान
8. गृह विज्ञान
9. गणित

- इस पाठ्यक्रम में शिक्षण अभ्यास-1, 2, विद्यालय गतिविधियाँ एवं ई.पी.सी. 1,2,3,4 का विवरण द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम को यथावत सम्मिलित करने हेतु प्रस्तावित है।